पत्र सूचना शाखा
**(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)**
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

# मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली से लखनऊ वापस आते ही बाढ़ की स्थिति व राहत कार्यों की समीक्षा की

# बाढ़ पीड़ितों को समुचित राहत सामग्री व अन्य सहायता तत्परता से उपलब्ध कराएं–मायावती

## *बाढ़ राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी–मुख्यमंत्री*

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए धन की कोई कमी नहीं – मुख्यमंत्री

**लखनऊः 24 जुलाई, 2008**

उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने कल नई दिल्ली से लखनऊ वापस आते ही एयरपोर्ट पर अधिकारियों की बैठक करके बाढ़ की स्थिति व राहत कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न होने पाए, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाएं जाएं, जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों को समय से राहत उपलब्ध हो सके। इसे सुनिश्चित कराने के लिए सभी प्रभावित जनपदों को आवश्यक धनराशि उपलब्ध करा दी गई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं अवस्थापना सुविधाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके निर्देश पर मुख्य सचिव कल गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बलिया व उसके आस–पास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हेलीकाप्टर से निरीक्षण करके मौके की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की थी।

उल्लेखनीय है कि अपने नई दिल्ली प्रवास की अतिव्यस्तता के बावजूद मुख्यमंत्री निरन्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर नजर रखे हुई थीं तथा राहत और बचाव कार्यों के सम्बन्ध में जायजा लेते हुये अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान करती रहीं।

सुश्री मायावती ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि बाढ़ नियंत्रण और सुरक्षा सम्बन्धी उपायों में किसी भी प्रकार की उदासीनता और लापरवाही न होने पाये। उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों को समुचित राहत सामग्री तथा अन्य सहायता तत्परता से उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश में बाढ़ की स्थिति अभी गम्भीर नहीं है। सिद्धार्थनगर, गोरखपुर तथा बलिया में स्थिति सामान्य है। इसके बावजूद नदियों के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए राज्य सरकार ने बाढ़ से निपटने की विशेष तैयारी की है। पी0ए0सी0 की 17 कम्पनियां संवेदनशील जनपदों में पहले से ही तैनात है। विशेष रूप से नेपाल से लगे हुए जिलों में बिना पूर्व सूचना के पानी आने से लखीमपुर खीरी, बहराइच, बलरामपुर, सीतापुर, महाराजगंज, कुशीनगर तथा गोरखपुर प्रभावित हो जाते हैं। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास एवं अन्य कार्यों हेतु प्रदेश के 11 संवेदनशील जनपदों को तीन–तीन करोड़ रू0 तथा 22 जनपदों को दो–दो करोड़ रू0 दे दिये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष प्रभावित जनपदों को 55 करोड़ रू0 पहले ही दिए जा चुके हैं। बाढ़ से निपटने की पूरी तैयारी करके संवेदनशील जनपदों की मशीनरी को एलर्ट कर दिया गया है।

——————————